UNNAT BHARAT ABHIYAN

Regional Coordinating Institute, Indian Institute of Technology Roorkee

(News Clipping)

हिन्दी सान्ध्य दैनिक 'उत्तरांचल दर्पण'

रविवार,12 जुलाई 2020

कौशल विकास पर वेबिनार का आयोजन

रूद्रपुर(उत्तरांचल दर्पण संवाददाता)। उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत रीजनल कोऑर्डिनेटिंग इंस्टिट्यूट- आई आई टी रुड़की द्वारा स्किल्स फॉर इंक्लूसिव एण्ड सस्टेनेबल ग्रोथ इन रूरल एरियाज यानी ग्रामीण क्षेत्रों के समावेशी एवं सतत विकास के लिए कौशल विकास विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार के आयोजक क्षेत्रीय समन्वय संस्थान-आई आई टी रुड़की के रीजनल कोऑर्डिनेटर प्रो० आशीष पाण्डेय ने उक्त वेबिनार के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र के विकास के लिए गांवों का विकास किया जाना बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीण विकास कार्यक्रम से सम्बंधित अपना पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। ग्रामीण विकास के लिए गाँव व शहर के बीच के अंतर को कम करना, गरीबी को दूर करना और गांवों से शहरों की तरफ हो रहे पलायन को रोकना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक परिदृश्य और सांस्कृतिक संसाधनों की रक्षा और संरक्षण, स्थायी खेती उत्पादन के साथ-साथ सभी नागरिकों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करना, स्थानीय रूप से उत्पादित आर्थिक विकास रणनीतियों पर जोर देना जो पारिस्थितिक और सामाजिक रूप से स्थायी हों, ग्रामीण भारत के साथ-साथ सशक्त भारत के निर्माण में सहायक होंगी। वेबिनार की शुरुआत करते हुए आई आई टी रुड़की के उप निदेशक प्रो० एम परिदा ने कहा कि स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत गांवों का बेहतर विकास किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 2 गांवों को चयनित करके उसके विकास के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया है। वेबिनार को सम्बोधित करते हुए डीन स्निक प्रो० मनीष श्रीखंडे ने कहा कि कोविड-19 के दौरान गांवों में वापस आने वाले प्रवासियों के लिए यदि गाँव में ही स्थानीय आधार पर कुटीर उद्योग अथवा छोटे-छोटे स्किल डेवलपमेंट के कार्यक्रम चलाये जाएँ तो इन्हें अपना गाँव-घर छोड़कर काम के सिलसिले में पुनः बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम को भी मदद मिल सकेगी। आजम अली खान ने वेबिनार को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में भारत सहित पूरी दुनिया में इस समय सबसे ज्यादा कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए हैं। एक उदहारण देकर उन्होंने बताया कि कैसे स्टार्टअप के अंतर्गत कॉल फ्री एप के

जरिये टोल फ्री नंबर पर कॉल करके क्षेत्रीय भाषा में न्यूज बुलेटिन्स एवं मीडिया कंटेंट प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार कई स्टार्ट अप का उन्होंने जिक्र किया, जिससे युवा अपना कैरियर शुरू कर सकते हैं। वेबिनार को सम्बोधित करते हुए दीनदयाल कौशल केन्द्र रुद्रपुर से प्रो० हरनाम सिंह ने विभिन्न कौशल विकास योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा किया। उन्होंने कौशल विकास एवं रोजगार सृजन में दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र एवं ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत युवाओं व ग्रामीणों के लिए उपलब्ध योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान किया। प्रो० सिंह ने बताया कि 'दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना' के अंतर्गत निर्धन ग्रामीण युवाओं के लिए निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है जिसके तहत कौशल प्रशिक्षण, आवासीय सुविधा, भोजन, ड्रेस एवं नियुक्ति के छः महीने तक एक हजार रुपये प्रतिमाह अर्थात प्रशिक्षण और रोजगार के बाद 6000 रुपये भी प्रदान किया जाता है। ज्यादातर ग्रामीण युवाओं को इन सुविधाओं की जानकारी न होने से वे इस सुविधा का लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं। उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड क्षेत्र के पीआई के सहयोग से ज्यादा से ज्यादा इन योजनाओं की जानकारी प्रधानों व सरपंचों के जरिये आम ग्रामीणों तक पंहुचाई जा सकती है। नेशनल कोऑर्डिनेटिंग इंस्टिट्यूट दिल्ली के को-कोऑर्डिनेटर प्रो० विवेक कुमार ने कारीगर आधारित ग्रामीण उद्योगों के सुदृढ़ीकरण पर अपना प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता के साथ-साथ हमें परंपरागत दक्षता को बढ़ाने की आवश्यकता है। हिन्दी दैनिक अमर उजाला के वरिष्ठ पत्रकार ब्यूरो चीफ श्री अंकित गर्ग ने वैज्ञानिक खेती के प्रचार-प्रसार में मीडिया के योगदान विषय पर अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने ग्रामीणों व किसानों की आय वृद्धि में सहायक वैज्ञानिक खेती के व्यापक प्रचार-प्रसार में मीडिया की भूमिका पर विस्तारपूर्वक चर्चा किया। क्षेत्रीय समन्वय संस्थान- आई आई टी रुड़की के रीजनल कोऑर्डिनेटर प्रो० आशीष पाण्डेय ने कार्यक्रम के अंत में सभी वक्ताओं व प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त वेबिनार में पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड सहित उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के पार्टिसिपेटिंग इंस्टीट्यूट्स के समन्वयकों व कृषि विज्ञान केन्द्र हरिद्वार के वैज्ञानिकों, ग्रामीण कृषि-मौसम सेवा परियोजना से जुड़े किसानों व देश के अन्य राज्यों के समन्वयकों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया। इस वेबिनार में यूबीए कार्यक्रम सहायक नितिन वर्मा ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। वेबिनार में कुल 88 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।